श्रीरामशरणम् लुधियाना-एक ऐतिहासिक विवरण

('श्रीरामशरणम् : एक ऐतिहासिक विवरण' के अन्तर्गत लेखों की अगली कड़ी)

11 दिसम्बर, 1995 को राम जी की असीम कृपा और गुरुजनों के आशीर्वाद से परम पूजनीय श्री महाराज जी का पहली बार लुधियाना में आगमन हुआ। तब महाराज जी के सान्निध्य में किचलू नगर के श्री राम दरबार मंदिर में 'श्री अमृतवाणी जी' का पाठ रखा गया। 'श्री अमृतवाणी जी' के पाठ और प्रवचन के लिए लुधियाना के बहुत साधक आए। तदुपरांत, महाराज जी ने हम चार–पाँच साधकों को अपने पास बिठा कर पूछा, "आपको quantity चाहिए या Quality?" हमने महाराज जी की तरफ देखा और बोला कि महाराज जी हमें quality चाहिए। यह सुनकर महाराज जी अति प्रसन्न हुए फिर समझाया, "बेशक, तुम दो ही व्यक्ति हो, अमृतवाणी जी का पाठ समय पर शुरू कर दो। पीछे मुड़कर नहीं देखना कि कौन आया है और कौन नहीं?" महाराज जी की बातें सुनकर हम आश्चर्यचकित थे! ऐसी बातें तो कोई विरला संत ही करता है। महाराज जी ने श्री राम दरबार मंदिर में प्रत्येक रविवार प्रातः नौ से साढ़े दस बजे तक का समय सत्संग के लिए नियत कर दिया।

20 जनवरी 1998 के दिन महाराज जी ने लुधियाना में श्री रामशरणम् बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि करवाने वाले तो गुरुजन ही हैं और यह काम जब भी होगा गुरुजनों की कृपा से ही होगा। गुरु ही जानता है कि किस कार्य की सफलता किस समय उचित एवं हितकारी होगी। ऐसी प्रेरणा देकर महाराज जी मुंबई चले गए। मुंबई से पत्र लिखकर महाराज जी ने निर्देश दिया कि परमेश्वर कृपा से उनके लौटने तक कागजी कार्यवाही पूर्ण हो जाए। साथ ही यह भी लिखा कि गुरु आज्ञानुसार पक्का निर्णय ले कर ही लुधियाना से निकलूँगा, वह निर्णय क्या होगा यह उसी समय पता चलेगा।

महाराज जी के इस पत्र को पढ़कर सभी श्री रामशरणम् के निर्माण कार्य में जुट गए। महाराज जी का सुझाव था कि श्री रामशरणम् भवन में 500 की capacity के दो भवन हों जिनमें सुंदर sound system की व्यवस्था हो। इसके अतिरिक्त 100 से 150 की capacity का एक जाप का sound proof कमरा बनाया जाए जिसका प्रयोग meditation के लिए किया जाए, जहाँ बैठकर

शांति मिले। साथ में उन्होंने यह भी लिखा कि जाप के इस sound proof कमरे का प्रयोग दीक्षा के लिए भी किया जा सकता है।

3 अप्रैल, 1998 को परम श्रद्धेय श्री महाराज जी ने अपने कर कमलों से लुधियाना श्रीरामशरणम् की नींव रखी जिसका उद्घाटन महाराज जी द्वारा 22 अक्तूबर 2000 को किया गया। उससे पूर्व 16-22 अक्तूबर से अखंड जाप हुआ। जिसके उपरांत हवन, सत्संग हॉल का उद्घाटन, अमृतवाणी जी का पाठ, प्रार्थना और महाराज श्री का प्रवचन और आरती हुई। महाराज जी ने बताया कि 'श्री रामशरणम् के दो अर्थ हैं, श्री राम जी जहाँ शरण देते हैं और जो रक्षक हैं। हम सब यह धारणा करते हैं कि 'श्री राम शरणं गच्छामि'। हम सब साधक गुरुजनों का हार्दिक धन्यवाद करते हैं जिन्होंने हमें ''श्री रामशरणम्'' की शरण में लिया। ■

श्रद्धांजलि

श्री वीरेन्द्र कत्याल के आकस्मिक व असामयिक निधन से सारे श्री रामशरणम् परिवार को गहरा धक्का लगा है। श्री रामशरणम् संस्था के लिए यह अपूर्णीय क्षति है। वे न केवल वरिष्ठ ट्रस्टी बल्कि विनम्र मार्गदर्शक, शक्ति के स्तम्भ, अनुकरणीय साधक, थे। श्री वीरेन्द्र जी ने अनेक वर्षों तक पूर्णतया समर्पित भाव से गुरुजनों के निदेर्शों का अक्षरशः पालन किया। वे अत्यन्त विनम्र, सहज निरभिमानी, सुलझे हुए आदर्श साधक थे।

जैसा कि सर्वविदित है श्री वीरेन्द्र कत्याल जी को तीनों गुरुजनों के सान्निध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री वीरेन्द्र कत्याल जी लाला भगवानदास कत्याल जी के सपुत्र थे। उनका जन्म 26 दिसम्बर, 1947 को हुआ था। लाला भगवानदास जी, परम पूजनीय स्वामी जी महाराज के अति प्रिय एवं अंतरग शिष्य थे। उनका श्री रामशरणम् संस्था के लिए बहुत अधिक योगदान है। परम पूजनीय स्वामी जी महाराज अपने दिल्ली प्रवास के दौरान अकसर उनकी बंगलो रोड कोठी में ही रहा करते थे जिसके कारण श्री वीरेन्द्र जी को जन्म से ही परम पूजनीय स्वामी जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। परम पूजनीय स्वामी जी महाराज के निर्वाण के समय, 13 नवम्बर 1960 को वे वहीं उपस्थित थे। उन्हें छोटी सी आयु से ही अपने पिता के आध्यात्मिक मूल्य एवं संस्कार मिले। पूजनीय श्री प्रेम जी महाराज एवं डॉ. विश्वामित्र जी महाराज का विशेष प्यार एवं आशीर्वाद भी उन्हें प्राप्त होता रहा।

श्री वीरेन्द्र जी ने संगीत अपने परिवार से विरासत में पाया और अपने सुमधुर भावपूर्ण भजनों से साधकों को आनन्दित किया। श्री महाराज जी ने श्री वीरेन्द्र जी को श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट का ट्रस्टी मनोनीत किया और उनको महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी। उन्होंने सौंपे कार्यों को पूर्ण निष्ठा से निभाया। परम पूजनीय डॉ. विश्वामित्र जी महाराज के निर्वाण के पश्चात् ट्रस्ट की बढ़ी हुई जिम्मेवारियों का उन्होंने अपने असीम अनुभव व दूर दृष्टि से निर्वहण करते हुए संस्था का मार्गदर्शन किया। अन्तिम दस वर्षों में उनकी भूमिका अविस्मरणीय रही।

श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट उनके अनथक, एवं समर्पित योगदान के लिए उनका ऋणी रहेगा। हम विनम्रतापूर्वक प्रभु राम एवं परम पूजनीय गुरुजनों से प्रार्थना करते हैं उनकी पावन आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, दिल्ली ■

विभिन्न केन्द्रों पर सम्पन्न कार्यक्रम

दिसम्बर 2021 से फरवरी 2022

- **धारीवाल**, पंजाब में 24 दिसम्बर को नवनिर्मित श्री रामशरणम् का भव्य उद्घाटन हुआ जिसके बाद 74 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **उज्जैन**, मध्य प्रदेश में 26 दिसम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 142 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **फरीदाबाद**, हरियाणा में 26 जनवरी को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 125 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **बिलासपुर**, हिमाचल प्रदेश में 16 फरवरी को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 37 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **रामतीर्थ**, मध्यप्रदेश में 19 से 22 फरवरी तक चार दिवसीय सत्संग समारोह हुआ। तीन दिवसीय अखण्ड जाप की पूर्ति के पश्चात् 22 फरवरी को विशेष सत्संग के उपरान्त 85 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **दिल्ली श्रीरामशरणम्** में जनवरी, फरवरी में 57 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **अमरपाटन**, मध्यप्रदेश में 1 मार्च को श्रीरामायण जी का अखण्ड पाठ हुआ। 2 मार्च को 573 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।

मार्च 2022 में होने वाले कार्यक्रम

- **होशियारपुर**, पंजाब में 6 मार्च को एक दिवसीय खुला सत्संग होगा जिसमें नाम दीक्षा होगी।
- **जबलपुर**, मध्यप्रदेश में 12 एवं 13 मार्च को दो दिवसीय खुला सत्संग होगा जिसमें नाम दीक्षा होगी।
- **दिल्ली श्रीरामशरणम्** में परम पूजनीय डा. विश्वामित्र जी महाराज के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में 15 मार्च को प्रातः दैनिक सत्संग के बाद श्री रामायण जी के अखण्ड पाठ का शुभारम्भ होगा जिसकी पूर्ति 16 मार्च को प्रातः होगी।
- **दिल्ली श्रीरामशरणम्** में 16 से 18 मार्च तक होली सत्संग होगा।
- **इन्दौर**, मध्य प्रदेश में 21 से 24 मार्च तक तीन रात्रि साधना सत्संग होगा जिसमें नाम दीक्षा होगी।
- **हिसार**, हरियाणा में 26 एवं 27 मार्च को दो दिवसीय खुला सत्संग होगा जिसमें नाम दीक्षा होगी।

निर्माणाधीन श्रीरामशरणम् की प्रगति

- **तारागढ़**, पंजाब में श्रीरामशरणम् का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। लगभग दो महीने में पूरा होने की आशा है। ■

Online Programmes held between 21 December 2021 and 22 January 2022 With the grace of Pujniya Gurujans, satsangs have been enthusiastically attended by sadhaks. They have been broadcast through Shree Ram Sharnam's official Facebook and Youtube channel. Daily average attendance had been ever growing and Sunday Satsangs are also being attended and enjoyed by sadhaks around the world. Average attendance at the daily satsangs online is more than 12000. Sunday satsangs are attended by about 15000 devotees.

Special programmes have been attended by large numbers. The Special event to mark the celebration of Tilak Divas of Pujniya Maharaj ji on 9 December 21 and Akhand Geeta Paath was attended by 2025 Over 31 December – January 1, Akhand Ramayan Paath January was attended by 18,217.

On all Shree Ram Sharnam Delhi's platforms such as Instagram and Twitter, posts and messages are enjoyed by devotees.. ■

SADHNA SATSANG (APRIL TO SEPTEMBER 2022)		
Haridwar	12 to 17 April	Tuesday to Sunday
Haridwar (Only for Jhabua Sadhaks)	10 to 13 May	Tuesday to Friday
Haridwar (Only for Jhabua Sadhaks)	15 to 18 May	Sunday to Wednesday
Haridwar	30 June to 3rd July	Thursday to Sunday
Haridwar	8 to 13 July	Friday to Wednesday
Haridwar (Ramayani Satsang)	25 Sept to 4 Oct	Sunday to Tuesday

POORNIMA APRIL TO SEPTEMBER 2022		
April	16	Saturday
May	16	Monday
June	14	Tuesday
July	13	Wednesday
August	12	Friday
September	10	Saturday

DIKSHA IN SHREE RAM SHARNAM DELHI APRIL TO SEPTEMBER 2022			
April	10	Sunday	10.30 AM
May	29	Sunday	10.30 AM
July	13	Wednesday	4.00 PM
August	21	Sunday	10.30 AM
September	11	Sunday	10.30 AM

OPEN SATSANG 2022		
Jhabua (Maun Sadhna)	1 to 10 April	Friday to Sunday
Bhareri	24-Apr	Sunday
Rattangarh	30 April-1 May	Saturday to Sunday
Kandaghat	08-May	Sunday
Manali	14 to 16 June	Tuesday to Thursday
Delhi	27 -29 July	Wednesday to Friday
Rohtak	13 -14 August	Saturday to Sunday
Rewari	3-4 September	Saturday to Sunday

DIKSHA IN OTHER CENTRES APRIL TO SEPTEMBER 2022		
Jawali, HP	Sunday	17-Apr
Bhareri, HP	Sunday	24-Apr
Rattangarh, Rajasthan	Saturday	30-Apr
Kandaghat, HP	Sunday	08-May
Chambi, HP	Sunday	22-May
Manali, HP	Thursday	16-Jun
Rohtak, Haryana	Sunday	14-Aug
Rewari, Haryana	Sunday	04-Sep

प्रभु जी तुम बड़े प्यारे हो,
प्रभु जी तुम बड़े न्यारे हो।
प्रभु जी तुम ही तो हमारे हो,
प्रभु जी तुम बड़े प्यारे हो।

Dear Children, Thank you very much for the beautiful colourings which you have submitted. Here are some of them.

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर–IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, 216, सेक्टर-4, आई.एम.टी. मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा-122051 से मुद्रित। संपादकः मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and printed at Rave Scans Private Limited, 216, Sector-4, IMT Manesar, Gurugram, Haryana-122051. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली

ईमेल: shreeramsharnam@hotmail.com
वेबसाईट: www.shreeramsharnam.org

RNI No. DELBIL/2017/72924